Topic- "फणीरनाथ रेणु के कथा साहित्य में लोक जीवन"

Date- 19 march 2021

"फणीरनाथ रेणु के कथा साहित्य में लोक जीवन"

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज में हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता के हिंदी साहित्य सभा मंथन द्वारा 19.03.2021 की दिन एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित कि गयी। वेबिनार का विषय फणीश्वर नाथ रेनु के कथा साहित्य में लोक जीवन रहा। दोपहर 11:30 बजे इस वेबिनार का आग़ाज़ डॉ. शैलजा जी के द्वारा किया गया। उन्होंने फणीश्वर नाथ रेणु का परिचय दिया तथा अतिथिगणो का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंथन सभा की उपाध्यक्ष कमलजीत कौर ने किया तथा डॉ. जीवन सिंह जी को अपना वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. जीवन सिंह जी पूर्व प्राचार्य रह चुके है। उन्होंने फणीश्वर नाथ रेनु के कथा साहित्य पर गहन चिंतन किया है। डॉ. जीवन सिंह जी ने संगोष्ठी में रेणु की कथाओं, कहानियों व उपन्यासो का नितांत स्मरण किया।जैसे - मैला आँचल , तीसरी क़सम , वित्त चित्र की मयूरी , मेरी गंज प्रिय आदि पर चर्चाएँ करी। डॉ. जीवन सिंह ने बताया कि रेणु का जीवन अन्य साहित्यकारों से बिल्कुल अलग था। उन्होंने अपने लेखन हाशिय पर लोगों व उनके लोक जीवन को केन्द्र में रख कर लिखा। वह फूल पत्ते पर नही बल्कि जड़ो की अंचलिकता पर अध्ययन करते थे। डॉ. जीवन सिंह ने रेनु को राष्ट्रीय उपन्यासकार तथा बुनियाद रचने वाले साहित्यकार नामों से संबोधित किया तथा अपने वक्तव्य को विराम दिया। दोपहर 1 बजे हमारी इस संगोष्ठी में प्रो. कुमुद शर्मा जी ने प्रवेश किया। डॉ. शैलजा जी ने उनका परिचय दिया व स्वागत किया। प्रो. कुमुद शर्मा जी ने एक पाठक की दृष्टि से अपना वक्तव्य आरंभ किया। उन्होंने बताया की रेणु पहले राजनैतिक लेख लिखा करते थे बाद में वह साहित्य लेखन करने लगे। कुमुद शर्मा जी ने रेणु के उपन्यास मैला आँचल पर अपनी दृष्टि को हम सभी के समक्ष साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह फणीश्वर नाथ रेणु ने उनके लिए यह डगर आसान नही थी कहीं प्रशंसा हुई तो कहीं आलोचनाए। साहित्य लेखन के साथ उन्होंने खुद की खोज भी करी। सम्पूर्ण कार्यक्रम में एक मोहक माहोल उत्पन्न हो गया। कार्यक्रम के अंतिम कुछ पालो में डॉ. रेणु दुग्गल जी, डॉ. दीपमाला जी ने डॉ. जीवन सिंह जी और प्रो. कुमुद शर्मा जी का आभार ज्ञापन किया।